भाषा ओ व्याकरण

भाषा शब्द संस्कृतक 'भाष्' धातुसँ व्युत्पन्न अछि । एकर अर्थ होइत अछि – व्यक्त वाणी । एहि भाष् धातुक अर्थमे भाषाक सभ लक्षण सन्निहित अछि । कोनो वस्तु वा दृश्यकेँ देखि मानवक मोनमे नाना प्रकारक इच्छा उत्पन्न होइत छैक । मुदा जाधरि इच्छाकेँ प्रकट नहि कयल जायत, ताधरि ओकर कोनो अर्थ नहि होइत अछि । एकर संगहि दोसराक भावकेँ सेहो जनबाक प्रयोजन होइत छैक ।

अतएव एहि लेल एक माध्यमक आवश्यकता होइत अछि । सएह भेल भाषा । संक्षेपमे भाषा ओ सरल साधन थिक, जकरा द्वारा लोक अपन मनोभावकेँ प्रकट करैत अछि आ दोसराक भावकेँ जनैत छैक ।

तेँ भाषा अभिव्यक्तिक सरल माध्यम थिक । एकर बिना मानव अपन अनुभूति आ संवेदनाक अभिव्यक्ति नहि कऽ सकैत अछि । एकर अतिरिक्त मानवक अन्तर्जगत एवं बाह्य जगतक विकास सेहो नहि भऽ सकैत अछि । वस्तुतः लोक-व्यवहारक एकमात्र महत्त्वपूर्ण साधन भाषा थिक ।

भाषा अभिव्यक्तिक मुख्यतः दू रूप अछि– मौखिक ओ लिखित । मुँह द्वारा उच्चरित अर्थपूर्ण ध्वनि मौखिक भाषा ओ प्रतीक चिह्न द्वारा प्रयुक्त भाषा लिखित भाषा कहबैछ ।

प्रत्येक भाषाक लिखित रूपकेँ **लिपि** कहल जाइत अछि । यथा – मैथिली भाषाक लिपि तिरहुता (मिथिलाक्षर), हिन्दी भाषाक लिपि देवनागरी आ अँग्रेजी भाषाक लिपि रोमन अछि ।

भाषाक प्रवाह नदीक धारा सदृश होइत अछि । अनेक कारणेँ भाषा बदलैत रहैत अछि । एकहि समयमे स्थान-भेदेँ भाषामे उच्चारण ओ वर्तनीगत वैषम्य भऽ सकैत अछि। यथा-मधुबनी, सहरसा, समस्तीपुर, पूर्णियाँ आदि विभिन्न स्थानक लोकक उच्चारणमे भेद संभव अछि । मुदा ई अन्तर जीवन्त भाषाक लक्षण थिक । मुदा लिखित भाषामे यथासंभव एकरूपता आवश्यक अछि ।

तेँ भाषाकेँ व्यवस्थित रखबाक हेतु किछु नियमक आवश्यकता अछि, सएह व्याकरण कहबैछ । व्याकरण कोनो भाषाक आत्मा अछि । एकरा बिना भाषामे सर्वत्र

अराजकता पसरि जायत आ तखन भाषा निष्प्रयोजनीय भऽ जायत । अतः व्याकरण ओ शास्त्र थिक जकरा पढ़लासँ शुद्ध-शुद्ध पढ़ब, लिखब आ बाजब आबय ।

प्रत्येक भाषाक व्याकरणक अपन विशेषता होइत अछि । पहिने भाषा आ बादमे ओकर व्याकरणक निर्माण होइत छैक । भाषाक मानक रूपक लेल व्याकरण नितान्त आवश्यक अछि । भाषाक स्वरूपमे एकरूपता आनबाक काज व्याकरण करैत अछि । अध्ययनक सुविधानुसार व्याकरणकेँ पाँच भागमे बाँटल गेल अछि :

1. वर्ण-विचार 2. शब्द-विचार 3. वाक्य-विचार 4. चिह्न-विचार तथा 5. छन्द-विचार ।

प्रश्न ओ अभ्यास

1. भाषा की थिक ?
2. भाषा ओ लिपिमे की अन्तर अछि ?
3. हाँ अथवा नहिमे उत्तर लिखू ।

   (क) भाषाक रूप अपरिवर्तनशील अछि । ( )

   (ख) भाषाक लिखित रूपकेँ लिपि कहल गेल अछि । ( )

   (ग) व्याकरण, भाषाक रूपकेँ व्यवस्थित करैत अछि । ( )

   (घ) सभ भाषाक ध्वनि एके रंगक होइछ । ( )

   (ङ) भाषासँ पूर्वहि ओकर व्याकरण बनि जाइत छैक । ( )

   (च) भाषा लोकक अभिव्यक्तिक माध्यम थिक । ( )

   (छ) मैथिली भाषाक लिपि 'रोमन' थिक । ( )
4. अध्ययनक सुविधाक लेल व्याकरणकेँ कतेक भागमे बाँटल गेल अछि ?